ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–२०
दिनांक- शुक्रवार, ११ मार्च, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.9 एवं 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 49 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 17.7 एवं दोपहर में 35.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(12–16 मार्च, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12–16 मार्च, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अगले 4–5 दिनों में 2–3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 16 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी ७५ग७५ से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम युरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०–२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०–१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा सब्जी की बुआई अबिलंब संपन्न करें। लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, पूसा समर, प्रोलिफिक लाँग, पूसा मेद्यदूत, पूसा मंजरी, पूसा नवीन किस्मों की बुआई करें। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गापुर मधु, सुगरबेली, अर्का ज्योती (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस, पूसा शर्बती किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुसंशित है। नेनुआ की पूसा चिकनी, स्वर्ण प्रभा, करैला की अर्का हरित, काशी उर्वशी, पूसा विशेष, कायमबटूर लॉग की बुआई करें। खेत की जुताई में २०–२५ टन गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ५० किलोग्राम फॉसफोरस, ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- इन दिनों आम के बगीचों में मंजर पूरी तरह आ चुका है। किसान भाई आम में मंजर वाली अवस्था से फल के मटर के दाने के बराबर होने की अवस्था के मध्य किसी प्रकार का कोई भी कृषि रसायण का प्रयोग नही करे। विकृत दिखने वाले मंजर को तोरकर बाग से बाहर ले जाकर जला दें अथवा जमीन में गाड़ दें।
- बसंत ईख रोप के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। मार्च के अन्तिम सप्ताह में यदि खेत में नमी की कमी होने पर रोप से पहले हल्की सिंचाई कर रोप करना चाहिए। ईख रोप हेतु दोमट मिट्टी तथा ऊँची जमीन का चुनाव कर गहरी जुताई करनी चाहिए। अनुशंसित प्रभेदो का चुनाव कर बीज मेड़ो की कवकनाशी (कार्बेडाजीम) १ ग्रा० प्रति लीटर के घोल में १५–२० मिनट उपचारित कर रोपनी करनी चाहिए। प्रभेदो के बीज रोग–व्याधि से मुक्त होना चाहिए एवं रोग मुक्त खेतों से लेना चाहिए और जहाँ तक संभंव हो ८–१० महीने के फसल को ही बीज के रुप में प्रयोग करना चाहिए।
- दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान पान पर विशेश ध्यान दें। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु साफ दाना, हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ खिलाये। इनके आहार में प्रर्याप्त मात्रा में कैल्सियम, प्रोटीन, कार्वोहाइड्रेट वसा, विटामिन्स, खनिज लवण एवं एण्टीबायोटिक का समावेश करें।
- बसंत ईख रोप के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। मार्च के अन्तिम सप्ताह में यदि खेत में नमी की कमी होने पर रोप से पहले हल्की सिंचाई कर रोप करना चाहिए। ईख रोप हेतु दोमट मिट्टी तथा ऊँची जमीन का चुनाव कर गहरी जुताई करनी चाहिए। अनुशंसित प्रभेदो का चुनाव कर बीज मेड़ो की कवकनाशी (कार्बेडाजीम) १ ग्रा० प्रति लीटर के घोल में १५–२० मिनट उपचारित कर रोपनी करनी चाहिए। प्रभेदो के बीज रोग–व्याधि से मुक्त होना चाहिए एवं रोग मुक्त खेतों से लेना चाहिए और जहाँ तक संभंव हो ८–१० महीने के फसल को ही बीज के रुप में प्रयोग करना चाहिए।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, आगे चलकर पूरी फसल बरबाद हो जाती है। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड ४८ ई०सी०/ १ मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.१ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः १५.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.८ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी